

खबर संक्षेप

नई रेल लाइन का स्वागत, लेकिन मंडला की जनता को चाहिए नियमित यात्री ट्रेनें

मंडला। सांसद फगन सिंह कुलस्ते द्वारा मंडला फोर्ट से चुटका-नारायणगंज तक नवीन रेल लाइन की मांग को लेकर रेल मंत्री जी को आवेदन दिए जाने का रेलवे संघर्ष समिति ने स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक सराहनीय एवं महत्वपूर्ण पहल बताया है। रेलवे संघर्ष समिति के अखिलेश सोनी ने कहा कि नई रेल लाइन का निर्माण निश्चित रूप से मंडला और आसपास के क्षेत्रों के लिए विकास के नए अवसर लेकर आ सकता है, लेकिन इसके साथ यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि इस रेल परियोजना का प्रत्यक्ष और वास्तविक लाभ आम जनता को मिले। उन्होंने कहा कि यदि चुटका तक रेल मार्ग का निर्माण हो जाता है, लेकिन उस पर मुख्य रूप से मालगाड़ियों का ही संचालन होता है और नियमित यात्री ट्रेनों की सुविधा उपलब्ध नहीं होती, तो क्षेत्र की जनता की मूल रेल आवश्यकता पूरी नहीं हो पाएगी। रेल लाइन का निर्माण तभी जनहितकारी साबित होगा, जब उस पर यात्री रेल सेवाएं भी नियमित रूप से संचालित हों। मंडला की जनता की प्राथमिक आवश्यकता है यात्री रेल सेवा जिसमें ये शामिल है-पेंचवेली एक्सप्रेस का संचालन मंडला क्षेत्र की जनता के हित में सुनिश्चित किया जाए। मंडला से नागपुर के लिए नियमित यात्री ट्रेन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। वर्तमान में संचालित ट्रेनों के समय का यात्रियों की सुविधा के अनुरूप उचित एवं व्यवस्थित निर्धारण किया जाए। मंडला एवं आसपास के क्षेत्रों की बढ़ती यात्री आवश्यकताओं को देखते हुए यात्री ट्रेनों की संख्या में वृद्धि की जाए।

साप्ताहिक जनसुनवाई में पहुंचे 5 आवेदन, एसडीएम संस्कार बावरिया ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश



भुआबिछिया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिछिया संस्कार बावरिया की अध्यक्षता में मंगलवार को साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में क्षेत्र के नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित कुल 5 आवेदन प्रस्तुत किए। एसडीएम संस्कार बावरिया ने जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित विभाग से उनकी समस्याओं के संबंध में आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने प्राप्त आवेदनों की सूक्ष्मता से जांच कर नियमानुसार एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए समय-सीमा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और आवेदकों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराई जाए। प्रशासन द्वारा आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना है।

कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा में नाचे धर्मप्रेमी उत्साह उमंग का दिखा संगम।

151 लीटर जल से हुआ भगवान भोलेनाथ का अभिषेक

* मुन्नी बाई धर्मशाला के सामने स्थित शिव मंदिर से व्यास नारायण मंदिर पहुंची कांवड़ यात्रा।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

मुन्नी बाई धर्मशाला के सामने स्थित शिव मंदिर से भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। इस कांवड़ यात्रा की खासियत यह रही कि भक्तों ने 151 लीटर नर्मदा जल से भरा कांवड़ को अपने कंधे में रखा और नगर भ्रमण करते हुए किले घाट पहुंचे जहां पर भगवान भोलेनाथ मंदिर में जलाभिषेक किया। विगत पांच वर्षों से आयोजित कांवड़ यात्रा का आयोजन इस वर्ष भी भव्यता से किया गया। शिव कांवड़ आयोजक समिति के द्वारा आयोजित इस कांवड़ यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष और बच्चे शामिल हुए। कांवड़ यात्रा मुन्नीबाई धर्मशाला के सामने स्थित शिव मंदिर में विधि विधान से पूजन अर्चन से की गई। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष ने भगवान भोलेनाथ के आयेोजन किया गया जिसमें धर्मप्रेमियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई सामाजिक कार्यकर्ता किशोर रजक ने बताया कि कांवड़ यात्रा भगवान शिव के भक्तों द्वारा सावन के महीने में की जाने वाली एक महत्वपूर्ण धार्मिक यात्रा है। इस यात्रा



यात्रा यहां से बलराम चौक, पड़ाव, चिलमन चौक, बस स्टैंड, जानदीप स्कूल, नगर पालिका, बड़ चौराहा अंबेडकर चौक, उदय चौक, सराफा, बुधवारी होते हुए किला घाट स्थित व्यास नारायण मंदिर कांवड़ यात्रा पहुंची जहां पर भगवान भोले नाथ की जल चढ़ाने के साथ पूजन किया गया और कांवड़ यात्रा का समापन हुआ। वहीं मंदिर प्रांगण में रात्रिकालीन भजन संध्या पूजन का आयोजन किया गया जिसमें धर्मप्रेमियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई सामाजिक कार्यकर्ता किशोर रजक ने बताया कि कांवड़ यात्रा भगवान शिव के भक्तों द्वारा सावन के महीने में की जाने वाली एक महत्वपूर्ण धार्मिक यात्रा है। इस यात्रा

में भक्त गंगाजल या किसी पवित्र नदी से जल भरकर लाते हैं और उसे अपने क्षेत्र के शिव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। यह यात्रा भगवान शिव के प्रति समर्पण और श्रद्धा का प्रतीक है। पौराणिक कथाओं के अनुसार कांवड़ यात्रा की शुरुआत समुद्र मंथन से जुड़ी है। जब समुद्र मंथन के दौरान हलाहल विष निकला तो भगवान शिव ने उसे ग्रहण किया। विष के प्रभाव से शिवजी को कष्ट होने लगा तब रावण ने कांवड़ में गंगाजल भरकर उन्हें अर्पित किया जिससे उन्हें विष के प्रभाव से मुक्ति मिली। एक अन्य कथा के अनुसार श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को तीर्थयात्रा कराना चाहते थे उन्होंने कांवड़ में अपने



माता-पिता को बैठाकर हरिद्वार से गंगाजल लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। यह भी माना जाता है कि श्रवण कुमार पहले कांवड़िया थे। कुछ लोगों का मानना है कि भगवान परशुराम ने भी गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर पुरा महादेव में शिव का जलाभिषेक किया था और यह भी कांवड़ यात्रा की शुरुआत का एक कारण है अनेक कांवड़िए यात्रा के दौरान उपवास रखते हैं और दिन-रात शिव का स्मरण करते हैं। मार्ग में सेवा शिविरों में रुकते हैं जहां उन्हें भोजन, दवाई, विश्राम आदि की सुविधाएं दी जाती हैं। कांवड़ यात्रा से जुड़ी आस्थाएं युवाओं को धार्मिक परंपराओं से जोड़ने में अहम भूमिका निभाती हैं।

अकेले नहीं चलते, वे समूह में यात्रा करते हैं जिससे आपसी सहयोग और एकता की भावना प्रकट होती है। रास्ते में अनेक श्रद्धालु स्वयंसेवक बनकर कांवड़ियों को भोजन, पानी, प्राथमिक चिकित्सा और विश्राम की सुविधा प्रदान करते हैं। शिव कांवड़ आयोजक समिति के गुरुू ठाकुर ने कहा कि समाज में कांवड़ियों को भक्ति, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यह यात्रा न केवल व्यक्ति को अध्यात्म से जोड़ती है बल्कि एक सामूहिक ऊर्जा और धार्मिक एकजुटता का भी निर्माण करती है। कांवड़ यात्रा से जुड़ी आस्थाएं युवाओं को धार्मिक परंपराओं से जोड़ने में अहम भूमिका निभाती हैं।



रिक्त पद नहीं होने के बावजूद हुई पदस्थापना, विभागीय प्रक्रिया पर उठे सवाल

विभाग की गलती का खामियाजा भुगतेंगे शिक्षक

* अब पुराने शिक्षकों को अतिशेष करने की तैयारी।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

जनजातीय कार्य विभाग, मंडला में प्राथमिक से लेकर हायर सेकेंडरी विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों को अतिशेष (सरप्लस) किए जाने की प्रक्रिया को लेकर शिक्षकों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। शिक्षकों का आरोप है कि कुछ विद्यालयों में स्वीकृत पद पहले से भरे होने के बावजूद नई पदस्थापना अथवा संलग्नीकरण किया गया। इसके परिणामस्वरूप कुछ विद्यालयों में एक ही स्वीकृत पद के विरुद्ध दो शिक्षकों के पदस्थ होने की स्थिति निर्मित हो गई है। अब इस स्थिति के समाधान के लिए पहले से कार्यरत शिक्षकों को अतिशेष मानकर हटाने की तैयारी किए जाने पर सवाल उठ रहे हैं।

पोर्टल पर रिक्ति, विद्यालय में पहले से पदस्थ शिक्षक

जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश शासन की वर्ष 2026 की स्थानांतरण नीति के तहत ऑनलाइन स्थानांतरण पोर्टल पर प्रदर्शित रिक्त पदों के आधार पर स्थानांतरण प्रक्रिया संचालित की गई। बताया जा रहा है कि कुछ विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की पदस्थापना संबंधी जानकारी समय



पर पोर्टल पर अपडेट नहीं होने के कारण ऐसे पद भी रिक्त प्रदर्शित हो गए, जिन पर पहले से शिक्षक कार्यरत थे।

इन्हीं प्रदर्शित रिक्तियों के आधार पर शिक्षकों ने ऑनलाइन आवेदन किए और स्थानांतरण प्राप्त किया। प्रदेश स्तर से हुए स्थानांतरण तथा जिले में की गई नई पदस्थापनाओं के बाद अब कई विद्यालयों में अतिशेष की स्थिति सामने आने की बात कही जा रही है।

जब पद रिक्त नहीं था तो नई पदस्थापना कैसे?

प्रभावित शिक्षकों का कहना है कि संबंधित विद्यालयों में विषयवार स्वीकृत पदों पर पहले से शिक्षक कार्यरत थे। ऐसे में यदि पद वास्तव

में रिक्त नहीं थे, तो उन्हीं विद्यालयों में नई पदस्थापना अथवा संलग्नीकरण किस आधार पर किया गया, यह जांच का विषय है।

शिक्षकों का सवाल है कि विभागीय प्रक्रिया में हुई कथित त्रुटि का खामियाजा वर्षों से विद्यालयों में सेवाएं दे रहे शिक्षकों को क्यों भुगतना पड़े? उनका कहना है कि यदि ऑनलाइन पोर्टल पर गलत जानकारी प्रदर्शित हुई और उसी के आधार पर स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी हुई, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित स्तर पर तय की जानी चाहिए।

पहले तय हो जिम्मेदारी, फिर हो अतिशेष की कार्रवाई

शिक्षक संगठनों और जागरूक नागरिकों का कहना है कि यदि शून्य रिक्ति वाले विद्यालयों में नई पदस्थापना या संलग्नीकरण किया गया है तो सबसे पहले पूरी प्रक्रिया की जांच होनी चाहिए। इसके बाद संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी निर्धारित की जाए।

शिक्षकों का कहना है कि अतिशेष निर्धारण के नाम पर पूर्व से पदस्थ शिक्षकों को प्रभावित करने के बजाय उन आदेशों और पदस्थापनाओं की समीक्षा की जानी चाहिए, जिनके कारण विद्यालयों में अतिरिक्त शिक्षक की स्थिति बनी।

न्यायालय की शरण लेने की तैयारी

प्रभावित शिक्षकों का कहना है कि

यदि उन्हें अतिशेष घोषित कर हटाने की कार्रवाई की जाती है तो वे न्यायालय की शरण लेने के लिए बाध्य होंगे। शिक्षकों का मानना है कि ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में प्रकरण न्यायालय तक पहुंच सकते हैं।

इससे विभाग पर कानूनी एवं प्रशासनिक भार बढ़ने के साथ-साथ विद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था भी प्रभावित होने की आशंका है।

उच्चस्तरीय जांच की मांग

शिक्षक संगठनों ने मांग की है कि अतिशेष की कार्रवाई आगे बढ़ाने से पहले संबंधित विद्यालयों में स्वीकृत पद, वास्तविक पदस्थापना, पोर्टल पर प्रदर्शित रिक्ति, वास्तविक रिक्त पद तथा नई पदस्थापना/संलग्नीकरण के आदेशों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि यदि किसी विद्यालय में रिक्त पद नहीं होने के बावजूद नई पदस्थापना अथवा संलग्नीकरण किया गया, तो इसके लिए जिम्मेदारी किस स्तर पर निर्धारित होगी। प्रभावित शिक्षकों का कहना है कि विभागीय स्तर पर हुई किसी भी त्रुटि का भार उन शिक्षकों पर नहीं डाला जाना चाहिए, जो पहले से नियमानुसार विद्यालयों में सेवाएं दे रहे हैं। उनका कहना है कि अतिशेष निर्धारण से पहले पूरी प्रक्रिया की पारदर्शी जांच और जिम्मेदारी तय करना आवश्यक है।

100 वर्ष से सराफा बाजार में आस्था का केंद्र है श्रीराम मंदिर

* 15 अगस्त से शुरू होगी साप्ताहिक रामधुन।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

सराफा बाजार स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर में इस वर्ष भी धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। मंदिर की धर्मादाय प्रबंध कार्यकारिणी समिति द्वारा जारी सूचना के अनुसार मंदिर में विगत 100 वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपरा के तहत साप्ताहिक रामधुन, अखंड रामायण पाठ, रुद्राभिषेक, सत्यनारायण कथा, कन्या भोज एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है और समिति ने अधिक से अधिक संख्या में भक्तों से शामिल होकर धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता करने की अपील की है।

धार्मिक आयोजन की शुरुआत 15 अगस्त 2026, शनिवार से होगी। इस दिन श्रीराम मंदिर सराफा बाजार में साप्ताहिक रामधुन का शुभारंभ किया जाएगा। यह रामधुन लगातार एक सप्ताह तक चलेगी और 22 अगस्त, शनिवार को इसका समापन होगा। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालु भगवान श्रीराम के नाम का संकीर्तन कर धार्मिक वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे।

इसके बाद 23 अगस्त, रविवार को मंदिर में अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया जाएगा। इसी दिन रुद्राभिषेक एवं सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन भी किया जाएगा। साथ ही मां नर्मदा जी को कढ़ाई अर्पण किए जाने की परंपरा भी निभाई जाएगी। धार्मिक अनुष्ठानों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

आयोजन के अंतिम दिन 24 अगस्त, सोमवार को सुबह 11 बजे से कन्या भोज के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समिति द्वारा श्रद्धालुओं, सदस्यों एवं माता-बहनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर तन-मन-धन से सहयोग प्रदान करने तथा धार्मिक आयोजन का पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की गई है।

समिति ने बताया कि सराफा बाजार स्थित श्रीराम मंदिर में होने वाले इन धार्मिक आयोजनों की विशेष परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। करीब एक शताब्दी से जारी इस धार्मिक आयोजन के माध्यम से न केवल भगवान श्रीराम की आराधना की जाती है, बल्कि श्रद्धालुओं को सामूहिक रूप से धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर भी मिलता है।

आयोजन समिति ने बताया कि श्रद्धालु अपनी श्रद्धानुसार सहयोग प्रदान कर सकते हैं। मंदिर में दान के लिए क्यूआर कोड की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। समिति ने सभी भक्तों से अपील की है कि वे आयोजन में सहभागी बनें और रामधुन, अखंड रामायण पाठ, धार्मिक अनुष्ठानों तथा विशाल भंडारे में उपस्थित होकर इस धार्मिक परंपरा को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

रेणु अग्रवाल ने कहा कि श्रीराम मंदिर सराफा बाजार में पिछले 100 वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपरा मंडला की आस्था और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। साप्ताहिक रामधुन, अखंड रामायण पाठ और अन्य धार्मिक आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को एकजुट होकर भगवान श्रीराम की आराधना करने का अवसर मिलता है।

नारायणगंज के ग्राम मझगांव में विश्व आदिवासी दिवस समारोह आयोजित



नारायणगंज। विकासखंड मुख्यालय नारायणगंज के निकटतम आदिवासी बाहुल्य ग्राम मझगांव में 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस समारोह वरिष्ठ समाजसेवी मुल्लुसिंह मरावी के मुख्य अतिथित्व एवं लहबरसिंह भारतीया की अध्यक्षता में रम्पू सिंह मरावी सेवावकाश पंचायत निरीक्षक के विशिष्ट आतिथ्य में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम चरण में गोंडवाना वीरागना रानी दुर्गावती की मूर्ति एवं अमर शहीद गोंडवाना वंशज राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह के चित्र की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुल्लुसिंह मरावी ने अपने उद्बोधन में शिक्षित बनो संगठित रहो और अपने समस्याओं के निराकरण के लिए संघर्षरत रहने के लिए आह्वान किया। वहीं विशिष्ट अतिथि रम्पूसिंह मरावी ने ग्राम की हर समस्या का हल के लिए एक जुटता पर बल दिया। कार्यक्रम में ग्राम के वरिष्ठ बुद्ध बुद्धसिंह मरावी एवं दौलतसिंह सरौते का पीले गमछा भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में ग्राम की बच्चियों द्वारा आदिवासी वेशभूषा में आदिवासी सांस्कृतिक नाच-गाना की प्रस्तुति सराहनीय रहा है।कार्यक्रम के समापन पश्चात प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

सैदी बरमैया को बरेला पुलिस ने भोपाल से किया गिरफ्तार



लंबे समय से जिले में रेत के कारोबार को लेकर वाद विवाद मारपीट लड़ाई झगड़ा और राजनैतिक हस्तक्षेप दिखाई देता है। सत्ता दल और विपक्ष अपने-अपने चेहेते कार्यकर्ता और अन्य लोगों के माध्यम से रेत के कारोबार में दखलावांजी किया करता है। खासकर बरहनी क्षेत्र में रेत के इस अवैध कारोबार को लेकर अकसर वाद विवाद दिखाई देता है। ऐसा ही बरहनी क्षेत्र के युवा सैदी बरमैया रेत कारोबार को लेकर काफी बदनाम है बीते माहों में राजनीति से जुड़े बड़े नेताओं के साथ इनके समाचार प्रकाशित हो चुके हैं। राजनैतिक संरक्षण के चलते आरोप प्रत्यारोप के बीच एक नई खबर सामने आई है। बरेला पुलिस से मिली जानकारी अनुसार व्यापारी शंकर गुरनानी पर कथित जानलेवा हमले के मामले में लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहे सैदी बरमैया को आखिरकार बरेला पुलिस ने भोपाल क्षेत्र से उसके कथित सह-अभियुक्त कपिल साहू और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगे जाने की स्थिति बनी सैदी बरमैया की गिरफ्तारी के लिए बरेला थाना प्रभारी संगीता सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक तलाश का दायरा दिल्ली उत्तराखंड रायपुर और मंडला तक बढ़ाया गया लंबे समय तक पुलिस को चकमा देने के बाद आखिरकार मुखबिर तंत्र और पुलिस की तकनीकों एवं मैदानी जानकारी के आधार पर आरोपी की लोकेशन भोपाल क्षेत्र में मिली इसके बाद रात के समय कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने सैदी बरमैया और कपिल साहू को

खबर संक्षेप

नदी पुल पर कीचड़ ही कीचड़, आये दिन फिसलकर गिर रहे वाहन चालक

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। जहां एक ओर लोगों को अच्छी सुविधाएं देने के लिए जहां तहां सड़को का निर्माण हो रहा है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि पूर्व की बनी हुई सड़क जहां बदहाल स्थिति में पहुंचने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिसकी ओर न तो क्षेत्र के जनप्रतिनिधि ध्यान दे रहे है और न ही संबंधित विभाग के अधिकारी। इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चाँवपाठा के अंतर्गत ग्राम सडुमर से कौड़िया मार्ग पर देखने मिल रही है। बताया जाता है कि इस मार्ग पर सड़क का निर्माण कुछ समय पहले ही हुआ था और चूंद दिनों में टूटना शुरू हो चुकी सड़क अपनी गुणवत्ता की कहानी कहने से नहीं चूक रही है। इतना ही नहीं इस मार्ग पर ग्राम महगंवा व चिरिया के बीच पड़ने वाली लेडी नदी पुल एवं सड़क मार्ग पर कीचड़ ही कीचड़ होने के कारण यहां से आने जाने वाले दो पहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे है और घायल हो रहे है। इस संबंध में क्षेत्र के लोगों का कहना है कि इस प्रकार से बदहाल हो रही सड़क नदी के पुल पर हो रही कीचड़ के चलते दिन में तो वाहन चालक जैसे तैसे पुल पार करके निकल जाते है, लेकिन रात्रिकालीन समय अधिकांश घटनाएं होती है,इस मार्ग से प्रतिदिन सडुमर, कौड़िया, सुगारी, देगुवा, तिगवां, मंहगवा, नया गांव आदि ग्रामों के लोगों का आना जाना लगा रहता है, इसके आलवाा क्षेत्र के छात्र छात्राओं द्वारा भी कौड़िया या गाडरवारा शिक्षा ग्रहण करने के लिए इसी मार्ग से आना जाना करते है जिनको यहां की नदी के पुल पर फैले हुए कीचड़ के साम्राज्य के चलते परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? अतः क्षेत्र के लोगों द्वारा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ साथ संबंधित अधिकारियों से सड़स सुधार के साथ साथ पुल की मिट्टी हटवाये जाने की मांग की गई है।

नीम हकीमों की हुकूमत के आगे प्रशासन उदासीन
हरिभूमि न्यूज/चीचली। क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों इन दिनों नीम-हकीम अनाड़ी थैला छाप चिकित्सकों की हुकूमत देखने को मिल रही है, जिनके द्वारा इलाज के नाम पर रोगियों के परजिनों से जमकर चांदी काटी जा रही है। यह पहला अवसर नहीं है कि जब इस संबंध में संबंधित विभाग का ध्यान न दिलाया गया है, इसके पूर्व भी ग्रामीणजनों से मिली शिकायतों के अनुसार जिला प्रशासन का ध्यान देने के लिए मांग की जा चुकी है, किन्तु ऐसे कथित चिकित्सकों के विरुद्ध कार्यवाही के नाम पर परिणाम सिर्फ ही साबित हुए हैं। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ऐसे अनेक ग्रामीण अंचलों का जायजा लिया जावे तो निश्चित तौर पर एक गांव में ऐसे आये दर्जन से भी अधिक नीम हकीम थैला छाप चिकित्सक मिल जावेंगे जो अवैध रूप से अपना कारोबार संचालित करते हुए घड़ल्ले से अपनी दुकानदारी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जहां एक ओर एक ओर शासन द्वारा नगर में क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने हेतु तो स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की गई है। मगर उसमें चिकित्सकों का आभाव के चलते लोगों को सभी लाभ नहीं मिलने का परिणाम है कि ग्रामीण अपनी बीमारी के चलते अपनी जान पर बन आते देख इन कथित नीम हकीमो से ही इलाज कराना पड़ता है..? सूत्र बताते हैं कि गांव के गलियारों में चिकित्सा व्यवसाय करने वाले ऐसे दर्जनों नीम हकीम है जिनके पास चिकित्सा संबंधी डिग्री नहीं है, किन्तु कुछ ही ऐसे भी थैला छाप चिकित्सक हैं जो आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के नाम पर एलोपैथिक चिकित्सा व्यवसाय करते देखे जा रहे हैं और उनके द्वारा किये जाने वाले इलाज से रोगियों के स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है? जानकारी के अनुसार शहर के कुछ निजी नर्सिंग होमों में कम्पाउण्ड का काम करने वाले कर्मियों द्वारा भी गांव में अपना डॉक्टरी पेशा शुरू कर दिया गया है तथा रोगियों को हाई पावर दवाईयां देकर उनके जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से इस समय देखा जावे तो मौसम के विपरीत होने की स्थिति में जहां मरोजों का इजाफा हो रहा है।



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कहा जाता है कि जब कोई अधिकारी आपने दायित्वों का निर्वाहन पूर्ण निष्ठा के साथ करता है तो अवैधानिक गतिविधियों में लिप्त रहने वालों की खैर नहीं रहती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय गाडरवारा टीआई अशोक सिंह चौहान सहित उनकी टीम की कार्य शैली को देखते हुये पड़ रहा है। बताया जाता है कि यदि किसी भी अवैध कार्य के संबंध में यदि टीआई चौहान को जानकारी लग जावे तो वह उनकी पकड़ से शायद ही कभी बच पाया हो इसके उदाहरण पूर्व में मादक पदार्थों सहित अन्य अवैधानिक कृत्यों को लेकर की गई कार्यवाही के प्रमाण के रूप में देखा जा सकता है.,, तो कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस उस समय देखने मिली जब टीआई चौहान की टीम को एक ट्रक के माध्यम से शराब का अवैध परिवहन करते हुये बाहर ले जाने की सूचना मिलते ही चौहान की टीम द्वारा नाकाबंदी करते हुये आरोपियों को पकड़ने में एक बड़ी सफलता हासिल की गई है। बताया जाता है कि जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थ एवं शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान “OPERA-



TION EAGLE CLAW” के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्ग दर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक ललित सिंह डागूर के मार्ग दर्शन में टीआई अशोक सिंह चौहान की टीम द्वारा लगातार सफलताये हासिल की जा रही है। इसी प्रकार से बीते हुये दिवस टीआई चौहान को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की एक आईसर ट्रक के माध्यम से भारी मात्रा में अवैध शराब कही ले जाई जा रही है। इस सूचना से टीआई चौहान द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराये जाने के चलते जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना द्वारा आरोपियों को माल सहित पकड़ने के लिये निर्देश दिये गये। वही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूरिया के कुशल मार्ग दर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक एल एस डागूर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इस तरह आरोपियों को पकड़ने के लिये बनाई गई टीआई अशोक सिंह चौहान की टीम में उप निरीक्षक गजराज सिंह,सहायक उप निरीक्षक रमेश निवारे, प्रधान आरक्षक राम गोपाल सिंह राजपूत, परमानंद चौधरी, वरिष्ठ आरक्षक रुपेन्द्र चौबे, महेंद्र बावरिया, विश्वजीत ठाकुर,आरक्षक दिनेश पटेल, अक्षय श्रीवास्तव, दीपक कौरव,यश मेहरा, आदर्श



पाठक, दीपक राय, देवेन्द्र सोनवंशी को शामिल किया गया था। मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान यानि की नगर के पुराना बस स्टेन्ड के पास एक आईसर ट्रक को संदेह के आधार पर घेराबंदी करते हुये पकड़कर जब उसमें सवार लोगों से पूछताछ की गई तो उनके द्वारा अपना नाम देवी पिता लक्ष्मण नाये उम्र 25 साल निवासी ग्राम साजडी थाना गौरहगंज जिला रायसेन तो दूसरे ने अपना नाम योगेश ण्मता अजव सिंह नायक उम्र 21 साल निवासी ग्राम बरूखार, थाना ण्चकलोद जिला रायसेन बताया गया। वही चारो ओर से बंद किये गये ट्रक को खुलबाकर जांच की गई तो उसके अंदर भारी मात्रा में शराब पाई गई। इस तरह टीआई चौहान की टीम द्वारा अपनी तत्परता का परिचय देते हुये नगर के पुराना बस स्टेट के पास ट्रक के अंदर से दो आरोपियों संयुक्त कब्जे से अवैध शराब का परिवहन करते हुए 106 पेटी मे 1272 बियर बोतल (825 लीटर) तथा घटना में प्रयुक्त 02 मोबाईल सहित आइशर ट्रक जप्त किये जाकर दोनों आरोपीगण को गिरफ्तार किया गया। जप्त की गई शराब व ट्रक की अनुमानित कीमत 13 लाख रूपस से भी अधिक की आकी जा रही है..? वही पुलिस द्वारा अपनी जानकारी में बताया गया है कि दोनों



आरोपी देवी नायक एवं योगेश नायक के विरुद्ध आबकारी एक्ट की संगत धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया जाकर दोनों आरोपीगण को न्यायालय के समक्ष पेश करते हुये रिमांड पर लेकर इस बात का पता लगाने के प्रयास किया जा रहा है कि वह इतनी मात्रा में शराब कहा से लेकर आये हुये थें और कहा जिसको देने के लिये ले जा रहे थें। क्वांकि जिस तरह पुलिस द्वारा पुराना बस स्टेन्ड यानि की नगर के अंदर शराब को पकड़ने में सफलता हासिल की गई उससे तो यही प्रतीत होते हुये जान पड़ रहा है कि यह शराब अवैध रूप में गाडरवारा ही लाई गई होगी..? यदि आरोपी कही बाहर ले जा रहे होते तो निश्चित तौर से वाय पास मार्ग से निकल सकते थें। नगर के अंदर वह पुराने बस स्टेन्ड के पास जो संवेदनशील क्षेत्र के रूप में जाना जाता है यहां पर लाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते..? शहर के अंदर इस तरह भारी मात्रा में शराब का पकड़ा जाना इस बात की ओर संकेत देते हुये जान पड़ रहा है कि नगर में ही किसी शराब के कारोबारी द्वारा इस शराब को बाहर से बुलाया गया होगा..? यदि पुलिस इस भेद को खोलने में सफल होती है तो शराब का अवैध कारोबार करने वाले बेनकाब होने से नहीं बच पायेंगे..?

मूंग खरीदी केन्द्रों पर बदलाव के चलते सही जानकारी के अभाव में भटकने के लिये मजबूर हो रहे किसान, आक्रोशित किसानों ने सोया प्लांट के पार किया जाम



हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये किसी तरह अपने खेतों में अनाज पैदा करने वाले किसानों को अब अपने पसीने की कमाई विक्रय करने का समय आता है तो उसे जिस प्रकार से परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इस बात की सच्चाई इस समय चल रहे समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी के दौरान देखने मिल रहा है। क्वांकि किसानों द्वारा अपनी खेती को लाभ का धंधा की सोच रखते हुये बड़े ही उत्साह के साथ गर्मी सीजन की मूंग फसल की बोनी की गई थी। किसानों ने सोचा था कि हर साल की भांति शासन द्वारा उनकी मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीद की जावेगी। मगर सरकार द्वारा मूंग फसल की खरीदी करने के लिये पहले जहां मात्र 25 प्रतिशत खरीदने के निर्णय से अन्नदाता को हैरत में डाल दिया गया था। इसके बाद जब किसानों द्वारा राजधानी में हल्ला बोला तो सरकार द्वारा मुश्किल से 60 प्रतिशत मूंग खरीदने का निर्णय तो ले किया गया है। मगर इस दौरान जिस तरह से अन्नदाताओं को



पेशान किया जा रहा है वह सच्चाई अब किसानों में आक्रोश पैदा होने से नहीं चूक पा रहा है। क्वांकि मूंग खरीदी केन्द्रो के लिये जिस तरह से जिले के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा खरीदी केन्द्रो का निर्धारण किया गया है उसमें काफी विसंगति होने के चलते अन्नदाताओं को परेशान होने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। हाल यह बना हुआ है कि शासन द्वारा 60 प्रतिशत मूंग खरीदी की तारीख 20 अगस्त तक निर्धारित की गई है। इस तरह ज्यो ज्यो यह तारीख समीप आती जा रही है त्यो त्यो किसानों में गुस्सा आने से नहीं चूक रहा है। क्वांकि एक एक हप्ते से मूं से भरी ट्रालिया लेकर खरीदी केन्द्रो के सामने खड़े हुये किसानों का जब तौल के समीप पहुंचते है तो वहां पर उन्हें बोल दिया जाता है कि तुम्हारी मूंग इस केन्द्र पर नहीं दूसरी केन्द्र पर खरीदी जावेगी। इसके बाद जब वह कई किलो मीटर दूरी पर स्थित खरीदी केन्द्र पर पहुंचकर फिर लाईन में लगकर अपनी बारी को इंतजार करता है और तुलाई के समीप पहुंचती उसे दूसरा केन्द्र बता दिया जाता है। इस तरह जिस गांव का किसान है उसके समीप



केन्द्र न बनाते हुये कई किलो मीटर दूरी पर केन्द्र स्थापित किये जाने के बाद भी हाल यह बना हुआ है कि उस केन्द्र की क्षमता पूर्ण होने के बाद जब किसान को अपनी मूं लेकर दूसरे केन्द्र पर भेजा जाता है तो निश्चित तौर से किसानों को गुस्सा आना स्वभाविक बात है...? जबकि गौर किया जावे तो जिला स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों को यह बात अच्छे से मालूम है कि किस बेयर हाऊस की क्षमता कितनी है और कितने किसानों द्वारा यहां पर स्लाट बुक किया गया है। मगर इसके बाद भी सही तौर से णगरानी नहीं किये जाने के चलते बुक किये जाने वाले स्लाटों के माध्यम से मोबाईलों पर खरीदी केन्द्रो की गलत जानकारी भेजने के चलते किसानों को अपनी मूंग का विक्रय करने के लिये भटकाये जाने से किसानों में आक्रोश फैलते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर इस सच्चाई पर गौर किया जावे तो मूंग खरीदी केन्द्रो का निर्धारण करने वाले अधिकारियों द्वारा की जाने वाली गफलत बाजी का परिणाम किसानों को भोगने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है..? वही दूसरी ओर इस

हरियाली अमावस्या पर आज घरों में होगी कुल देवताओं की पूजा, देशी मुर्गा से सजा रहा बाजार

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। आज बुधवार को श्रावण मास की अमास्या के चलते शहर और क्षेत्र के गांवों में लोग हरियाली अमावस्या यानि की हरि जूती के रूप में आस्था पूर्वक मनाया जावेगा। इस तरह हरियाली की शुभ बेला में जहां लोग माँ नर्मदा जी के पावन घाटों पर पहुंच कर माँ नर्मदा में स्नान करते हुए पूजन अर्चन करेगे। वही दूसरी ओर लोग अपने घरों में कुल देवताओं का श्रद्धाभाव से पूजन कर अनेक प्रकार के अनुष्ठान भी करेगे। इस वर्ष बड़े ही सौभाग्य की बात है कि काफी लम्बे अंतराल का बाद हरियाली अमावस्या बुधवार के दिन पड़ रही है जिसके चलते इसका महत्व अलग ही हो गया है। रविवार बुधवार के दिन हरियाली अमावस्या को लेकर तांत्रिक प्रक्रियाओं में लिप्त रहने वाले लोगों के लिये विशेष बताई जाती है..? इस तरह आज पड़ रही हरियाली अमावस्या के महत्व को लेकर बताया जाता है कि इस दिन विरह की आग में पप रही माता गौरा को भगवान शिव की प्राप्ति होने की खुशी में महिलाएं मंगल गीतों का गायन करेगी। गौरतलब है कि कुछ समजो में पूर्वजों के समय से प्रचलित चली आ रही परम्परा के अनुसार मनोकामनाओं की पूर्ति होने पर हरियाली अमावस्या पर लोग पूर्वजों की परम्पराओं को कायम रखते हुए अपने कुलदेवताओं को प्रसन्न करने के लिए मुर्गों की बलि देने का रिवाज होने से मुर्गों की बलि दिये जाने की चर्चाये भी सुनी जाती है...? इसी के चलते कल मंगलवार को नगर के बाजार मे देशी मुर्गों की दुकाने सजी हुई देखने मिली तो दूसरी ओर देशी मुर्गा के मनमाने भाव को लोगों को खरीदते हुये देखा गया।

सड़क किनारे पटरी नहीं होने से आये दिन दुर्घटना गस्त हो रहे वाहन
हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर सरकार द्वारा करोड़ो रूपया खर्च करते हुए सड़को का निर्माण आमजन के लिए सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से किया जाता है, मगर वही सड़क यदि आमजन के लिए परेशानी के साथ साथ जान का खतरा साबित होने लगे तो उस सड़क के निर्माण पर अपने आप ही खवाल खड़े होने से नहीं चूकते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय पौडर से गाडरवारा के बीच हड्डई स्तर के सड़क में देखने मिल रहा है, जहां पर पूर्व सड़क निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा सड़क में निकले हुये गड्ढो को भरने के लिये किये गये सुधार कार्य के चलते इस सड़क की ऊंचाई अधिक हो चुकी है। मगर इसके बाद सड़क के दोनों ओर किसी भी प्रकार से ऊंचाई कम करने के लिए पटरी नहीं अरे जाने के कारण आये दिन वाहनों को दुर्घटना गस्त होते हुए देखा जा रहा है।

नगर की बेटी कामिनी ने निभाई रिस्ते से बढ़कर जिम्मेदारी का संकल्प, दिव्यांग बहन के भविष्य संभालने की ली जिम्मेदारी



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कुछ सच्चाई अक्सर फिल्मों में ही देखने मिलती है। मगर वही सच्चाई जब हकीगत में सामने आते है तो लोग उसकी सरहना करने से नहीं चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई हमारे नगर की बेटी ने जिस तरह अपनी दिव्यांग बहिन के लिये लूया गया संकल्प खून के रिस्ते पर एक मिशाल बनने से नहीं चूक पाया है..? क्वांकि रिस्ते केवल खून के नहीं होते, कई बार जिम्मेदारियां उन्हें

और भी गहरा बना देती हैं। ऐसी ही संवेदनशील और प्रेरणादायी मिसाल हमारे नगर गाडरवारा की कामिनी कोठी ने पेश की गई है। अपनी बहन कविता कोठी के प्रति स्नेह, समर्पण और जिम्मेदारी को आगे बढ़ाते हुए कामिनी ने उनकी कानूनी संरक्षक बनने का दायित्व स्वीकार किया है। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के नेशनल ट्रस्ट के अंतर्गत स्थानीय स्तरीय समिति, नरसिंहपुर द्वारा

कामिनी कोठी को उनकी बहन कविता कोठी की कानूनी संरक्षकता का प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह द्वारा मंगलवार को यह प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। यह प्रमाण-पत्र केवल एक सरकारी दस्तावेज नहीं, बल्कि एक बहन द्वारा दूसरी बहन के प्रति निभाए जा रहे उस भावनात्मक दायित्व की औपचारिक स्वीकृति है, जिसमें जीवनभर साथ देने, देखभाल करने और उसके

अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प शामिल है। प्रदान किये गये प्रमाण-पत्र के अनुसार कामिनी कोठी को कविता की देखभाल एवं आवासीय संरक्षण के साथ-साथ चल एवं अचल संपत्ति के प्रबंधन की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। इस जिम्मेदारी के अंतर्गत कविता की आवश्यकताओं, स्वास्थ्य, शिक्षा-प्रशिक्षण, पोषण और सम्मानजनक जीवन से जुड़े हितों का ध्यान रखना शामिल है। कविता के लिए अब उनकी बहन कामिनी केवल परिवार का हिस्सा नहीं, बल्कि कानूनी रूप से उनके हितों की संरक्षक भी हैं। यह बहन के उस रिस्ते की कहानी है, जिसमें शब्दों से अधिक जिम्मेदारी बोलती है और साथ निभाने का वादा अब एक आधिकारिक जिम्मेदारी में बदल गया है। कामिनी कोठी की यह पहल उन परिवारों के लिए प्रेरणादायी है, जो अपने दिव्यांग परिवर्जनों के सुरक्षित, सम्मानजनक और अधिकारपूर्ण भविष्य के लिए आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाना चाहते हैं।

लटकते बिजली तारों से घटित हो सकती है किसी दिन बड़ी घटना
हरिभूमि न्यूज/ सडुमर । जहां एक ओर आये दिन देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा गांवों में किसानों सहित अन्य उपभोक्ताओं से समय पर बिजली बिल अदा नहीं किये जाने के नाम पर जिस प्रकार से बसूली करते हुए उन्हें अपमानित करते हुए जबरन घरों में रखे हुए समान की जल्ती तो की जाती है, मगर वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह है कि जिस तरीके से बिजली विभाग द्वारा बिल बसूरी का तरीका अपनाया जाता है क्या उस तरीके से लोगों को बिजली उपलब्ध कराये जाने के साथ साथ उन्हें बिजली तारों से होने वाली घटनाओं की क्षति का सहयोग प्राप्त किया जाता है? क्वांकि अवसर देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा गांवों के साथ साथ किसानों के खेतों में बिजली सप्लाई हेतु जो बिजली लाईने खोली गई है उनका वर्षों से सुधार कार्य नहीं किये जाने तथा उनका रख रखाव नहीं होने के कारण जहां तारों ने झुल्ला का रूप धारण कर लिया गया है और आये दिन देखा जाता है कि जब हवा चलती है तो यह झूलते हुए तार एक दूसरे से टकरा जाने के कारण



शिव चतुर्दशी के चलते शाम को लोगों के घरों सहित मंदिरों में गूंजे शिव पूजन के स्वर

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। वैसे देखा जावे तो इस समय चल रहे श्रावण मास के चलते जहां लोगों श्रावजी की आराधना में मग्न होने के कारण शहर से लेकर गांव गांव चारो ओर धार्मिक आयोजना की धूम के चलते शिवमय होते हुये देखे जा रहे है। मगर बीते हुये मंगलवार को शिव चतुर्दशी होने के चलते शाम 7 बजे से 8 बजे के बीच का नजारा अनोखा ही दिखाई पड़ा। बताया जाता है कि बीते हुये कुछ सालों से महान शिव भक्त व संत प्रदीप मिश्रा द्वारा महिलाओं को श्राव चतुर्दशी के महत्व से अवगत कराया गया है उसके चलते महिलाओं में इस पर्व के दौरान श्रावजी की पूजन के प्रति अनोखी आस्था का संचार दिखाई पड़ रहा है। इसी के चलते हर साल महिलाये श्राव चतुर्दशी के मौके पर दिन भर

व्रत धारण करने के बाद शाम के वक्त शिवजी व माता पार्वती जी का पूजन करने से नहीं चूकती है। इस दौरान संत प्रदीप मिश्रा द्वारा खुद ही शाम को 7 बजे से 8 बजे के बीच लाईव टेलीकास्ट के माध्यम से शिवजी की पूजन कराई जाती है। इसी प्रकार से बीते हुये मंगलवार यानि की शिव चतुर्दशी के मौके पर भी देखने मिली। इस दौरान हिन्दू धर्म को मानने वाले लोगों को शायद ही ऐसा कोई घर शेष रहा होगा जिस घर से शिवजी की पूजन के स्वर सुनाई न पड़ रहे हो...? इस तरह मंगलवार को शिव चतुर्दशी के पावन अवसर पर महिलाओं द्वारा बड़े ही श्रद्धाभाव से व्रत धारण करने के बाद शाम 7 बजे से 8 बजे के बीच शिव पुराण वाचक संत प्रदीप मिश्रा के मार्ग दर्शन में अपने अपने घरों में तो अनेक जगहों पर

सामूहिक रूप में मंदिरों में पहुंचकर टी व्ही चैनल पर सौधा प्रसारण देखते हुये शिवजी व माता पार्वती जी का विधि विधान के साथ पूजन क़या गया। शिव चतुर्दशी पूजन के चलते शाम 7 बजे से 8 बजे के बीच शहर का नजारा इस तरह से दिखाई दे रहा था की मंदिरों में जहां महिलाओं की भीड़ दिखाई दे रही थी तो घरों के अंदर का महौल भी पूर्ण रूप से शांत होने के साथ टी व्ही चैनल के माध्यम से सिर्फ श्रावजी की पूजन के स्वर सुनाई दे रहे थें। इस तरह महिलाओं द्वारा श्राव चतुर्दशी का व्रत धारण करते हुये किये गये पूजन के दौरान उनके परिजन भी पूर्ण रूप से शिवजी की आराधना में लीन होकर महिलाओं का शिव पूजन में सहयोग प्रदान करते हुये नजर आने से नहीं चूक रहे थें।





मिलावटी घी की आशंका पर खाद्य प्रतिष्ठानों में छापेमारी, 41.7 लीटर घी जब्त

डिंडौरी। जिले में दूध और दुग्ध उत्पादों में मिलावट की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ जांच अभियान शुरू किया है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देश पर गठित खाद्य सुरक्षा टीम ने सोमवार को डिंडौरी शहर सहित विभिन्न क्षेत्रों में किराना एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए और आवश्यकतानुसार जब्त की कार्रवाइ की गई।जांच दल ने डिंडौरी के मेन रोड स्थित भाई किशोर कुमार-मुकेश कुमार, पुरानी डिंडौरी स्थित गुरु नानक किराना और मौना सुपर बाजार का निरीक्षण किया। इसी कम में पुरानी डिंडौरी स्थित साहू किराना स्टोर से डीएफ गोल्ड काउ घी एवं औषधा बांड घी की कुल 41.7 लीटर मात्रा जब्त की गई। जब्त घी की अनुमानित कीमत 30,405 रुपये बताई गई है। इसके अलावा नायब तहसीलदार समनापुर और कनिष्ठ अपूर्ति अधिकारी की टीम ने भी किराना दुकानों की जांच की। ग्राम मानिकपुर स्थित रोहित किराना स्टोर तथा समनापुर स्थित संजय किराना स्टोर सहित कुल तीन किराना प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपलब्धता की जांच की गई।जांच के दौरान संबंधित घी के नमूने संग्रहित किए गए हैं, जिन्हें परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद उसमें सामले आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन ने कहा है कि आमजन के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और मिलावट के खिलाफ जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा। अधिकारियों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और मिलावट पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।कार्रवाई के दौरान एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, तहसीलदार शशांक शेणै दे सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सीएमएचओ ने स्वास्थ्य संस्थाओं का किया औचक निरीक्षण, दो एचडब्ल्यूसी मिले बंद



डिंडौरी। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जांचना लेने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. मनोज पांडे ने सोमवार को विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, कर्मचारियों की उपस्थिति, साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता और मरीजों की मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एचडब्ल्यूसी औराई तथा एचडब्ल्यूसी जलदा मुड़िया बंद पाए गए, जबकि एचडब्ल्यूसी सकका खुला मिला।इद मिले स्वास्थ्य संस्थानों को लेकर सीएमएचओ ने संबंधित सीएचओ एवं एएनएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा संबंधित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन अवैतनिक करने के निर्देश दिए। वहीं एचडब्ल्यूसी झमलाई के निरीक्षण के दौरान पदस्थ एएनएम अनुपस्थित मिलीं, जिस पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सीएमएचओ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किसलपुरी का भी निरीक्षण किया। यहां उपचार के लिए पहुंचे मरीजों से उन्होंने सीधे संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं, उपचार व्यवस्था और दवाइयों की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिला समन्वयक आरबीएसके/आरकेएसके श्री ओम प्रकाश उरेती भी मौजूद रहे।डॉ. मनोज पांडे ने सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्धारित समय पर उपस्थित रहकर आमजन को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य संस्थाओं का नियमित निरीक्षण किया जाएगा और लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पहली तेज बारिश ने खोली PMGSY सड़क की पोल, एक पुल ध्वस्त तो दूसरा जर्जर किसानों के खेतों में पहुंचा मलबा, फसल और खेत की मिट्टी को नुकसान

डिंडौरी। जिले में बारिश ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के तहत हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चाबी-मेंहदवानी से कुशेरा मार्ग पर बना एक पुल तेज बारिश के बाद ढह गया, जबकि भुरका में इसी मार्ग पर बना दूसरा पुल भी क्षतिग्रस्त होकर जोखिम की स्थिति में पहुंच गया है। पुल के टूटने से आसपास के किसानों के खेतों में मलबा और पानी पहुंचने से फसलों को नुकसान होने की बात सामने आई है।मौके पर लगे निर्माण संबंधी सूचना बोर्ड के अनुसार चाबी-मेंहदवानी से कुशेरा मार्ग की लंबाई करीब 12.10 किलोमीटर है और इसके निर्माण पर लगभग 7 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत दर्शाई गई है। इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद पुल का बारिश के दौरान ढह जाना निर्माण की गुणवत्ता, तकनीकी निगरानी और संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही को लेकर सवाल खड़े करता है।

बारिश के तेज बहाव के साथ पुल का मलबा आसपास के खेतों तक पहुंच गया। किसानों के मुताबिक कई खेतों में खड़ी फसल प्रभावित हुई है, जबकि कुछ स्थानों पर खेत की उपजाऊ मिट्टी भी बह गई। किसानों का कहना है कि खेती में पूरे साल



की मेहनत और लागत लगती है, ऐसे में सड़क-पुल के क्षतिग्रस्त होने से हुए नुकसान की भरपाई कौन करेगा, यह बड़ा सवाल है।ग्रामीणों ने बताया कि भुरका में बना दूसरा पुल भी क्षतिग्रस्त है। यदि समय रहते इसकी तकनीकी जांच और आवश्यक मरम्मत नहीं कराई गई तो बारिश के बीच इसके और क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि दोनों पुलों की तत्काल तकनीकी जांच कराई जाए और निर्माण में इस्तेमाल सामग्री से लेकर डिजाइन, गुणवत्ता तथा निर्माण प्रक्रिया तक की जांच की जाए।ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि जिन किसानों के खेत और फसलें पुल के मलबे या पानी के बहाव से प्रभावित हुई हैं, उनका मौके पर सर्वे कराया जाए और



नियमानुसार राहत एवं मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। साथ ही यदि जांच में निर्माण कार्य में किसी स्तर पर अनियमितता या लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित निर्माण एजेंसी की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाए।फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि करोड़ों रुपये की लागत से तैयार सड़क का पुल

पहली ही तेज बारिश में कैसे ढह गया? क्या निर्माण के दौरान गुणवत्ता मानकों और तकनीकी मापदंडों का पथांच पालन हुआ था? और यदि दूसरा पुल भी जोखिम की स्थिति में है तो उसकी निगरानी और रखरखाव की जिम्मेदारी किसकी है? इन सवालों के जवाब अब प्रशासनिक जांच के बाद ही स्पष्ट होंगे।

डिंडौरी में विकास के दावों की खुली पोल, सड़क नाली से लेकर सफाई तक समस्याएं बरकरार



डिंडौरी। जिला मुख्यालय में विकास और बेहतर सुविधाओं के दावों के बीच शहर की जमीनी तस्वीर कई सवाल खड़े कर रही है। सड़क, बिजली, पेयजल, नाली, स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वच्छता जैसी मूलभूत समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। समस्या किसी एक बाई या मोहल्ले तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में नागरिक इन परेशानियों से जूझ रहे हैं। सवाल यह है कि जब ये समस्याएं जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और संबंधित विभागों के संज्ञान में हैं,



तो इनके स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे?मां नर्मदा के तट पर बसे डिंडौरी में विकास कार्यों के नाम पर कई प्रमुख मार्गों की सीसी सड़कें अलग-अलग सुविधाओं और स्वच्छता जैसी मूलभूत समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। समस्या किसी एक बाई या मोहल्ले तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में नागरिक इन परेशानियों से जूझ रहे हैं। सवाल यह है कि जब ये समस्याएं जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और संबंधित विभागों के संज्ञान में हैं,

समाधान नहीं होना व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।शहरवासियों का कहना है कि विकास कार्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं रहने चाहिए। निर्माण के बाद उनकी गुणवत्ता, रखरखाव और समय पर मरम्मत की भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। यदि जिला मुख्यालय के प्रमुख और व्यस्त मार्गों की स्थिति ऐसी है, तो शहर के अन्य हिस्सों में नागरिक सुविधाओं की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।डिंडौरी में समय के साथ जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी बदलते रहे, लेकिन कई बुनियादी समस्याएं अब भी जस की तस हैं। ऐसे में शहरवासियों के बीच यह सवाल लगातार उठ रहा है कि आखिर इन समस्याओं के स्थायी समाधान की जिम्मेदारी कौन लेगा?अब जरूरत केवल आश्वासन की नहीं, बल्कि संबंधित विभागों की स्पष्ट कार्ययोजना और समय-सीमा में काम पूरा कराने की है। यदि जिला मुख्यालय को व्यवस्थित और सुविधायुक्त शहर के रूप में विकसित करना है तो सड़कों, नालियों, पेयजल, सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान प्राथमिकता के साथ करना होगा।

ECINET बना निर्वाचन सेवाओं का लोकप्रिय डिजिटल प्लेटफॉर्म 10.80 करोड़ से अधिक यूजर्स ने डाउनलोड किया ऐप, एक ही मंच पर मिल रही प्रमुख चुनावी सेवाएं

डिंडौरी। भारत निर्वाचन आयोग का एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म **ECINET** निर्वाचन संबंधी सेवाओं और जानकारी के लिए तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। आयोग के अनुसार, अब तक करीब 10 करोड़ 80 लाख यूजर्स इस मोबाइल ऐप को डाउनलोड कर चुके हैं। प्लेटफॉर्म के माध्यम से मतदाता पंजीकरण से लेकर ई-EPIC डाउनलोड, मतदाता सूची में नाम की खोज, आवेदन की स्थिति, शिकायत निवारण और चुनावी जानकारी जैसी कई प्रमुख सेवाएं एक ही मंच



पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।**ECINET** को निर्वाचन सेवाओं को अधिक सरल, सुगम और डिजिटल बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इसके विकास की घोषणा मई 2025 में की गई थी और इसका शुभारंभ 22 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में किया गया। यह प्लेटफॉर्म हिंदी और अंग्रेजी के अलावा संविधान की

आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में उपलब्ध है। 40 से अधिक ऐप और पोर्टल का एकीकरण **ECINET** को भारत निर्वाचन आयोग के 40 से अधिक मोबाइल ऐप और पोर्टलों को एकीकृत कर तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य मतदाताओं, अभ्यर्थियों, राजनीतिक दलों, निर्वाचन अधिकारियों और अन्य हितधारकों को अलग-अलग ऐप या पोर्टल पर जाने और बार-बार लॉगिन करने की आवश्यकता को कम करना है।प्लेटफॉर्म को संविधान, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 एवं 1951, निर्वाचक पंजीकरण नियम 1960 तथा निर्वाचन संचालन नियम 1961 के प्रावधानों के अनुरूप विकसित किया गया है। मतदाता को एक ही जगह मिल रही कई सुविधाएं **ECINET** के माध्यम से नागरिक नया मतदाता पंजीकरण करा सकते हैं और मतदाता सूची में अपना नाम खोज सकते हैं। इसके अलावा वोट आईडी से जुड़े आवेदन की स्थिति देखना, डिजिटल वोट कार्ड यानी **e-EPIC** डाउनलोड करना, मतदाता पहचान पत्र संबंधी शिकायत दर्ज करना और बूथ लेवल अधिकारी (**BLO**) से संपर्क या कॉल बुक करना भी संभव है।द्वितीय मतदाताओं के लिए **Saksham** सुविधा, उम्मीदवारों की जानकारी एवं शपथ पत्र, आदर्श आवार संहिता (**MCC**) से संबंधित शिकायत, वर्तमान एवं पिछले चुनावों की जानकारी तथा मतदान प्रतिष्ठान और रूझान जैसी सुविधाएं भी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। **ECINET** के माध्यम से विधानसभा आम निर्वाचन एवं उपचुनाव-2026 के इडेक्स कार्ड मतदान परिणाम घोषित होने के 72 घंटे के भीतर उपलब्ध कराए गए।

बारिश में कच्चा मकान ढहा, मलबे में दबने से 7 वर्षीय बालक की मौत

डिंडौरी। जिले के गाड़ासरई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नदिया टोला में लगातार बारिश के बीच एक कच्चा मकान ढहने से सात वर्षीय बालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान राजा आर्मां, पिता विश्राम आर्मां के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही राजस्व और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा आवश्यक कार्रवाई शुरू की।घटना की जानकारी मिलने के बाद कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया भी पीड़ित परिवार के घर पहुंचीं। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की और प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

RBC 6(4) के तहत प्रकरण तैयार करने के निर्देश

कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदार और पटवारी को आरबीसी 6(4) के तहत प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन द्वारा घटना की जांच के साथ आवश्यक पंचनामा कार्रवाई की जा रही है। वहीं पीड़ित परिवार को शासन के नियमानुसार आर्थिक



सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।कलेक्टर के निर्देश पर परिवार की पात्रता के आधार पर अन्य शासकीय योजनाओं और संभावित सहायता की जानकारी भी तैयार की जा रही है, ताकि नियमानुसार परिवार को अधिकतम संभव सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

ग्रामीणों ने सड़क की समस्या भी बताई

कलेक्टर के गांव पहुंचने के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। ग्रामीणों ने गांव की सड़क की समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए इसके निराकरण की मांग की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।कलेक्टर ने ग्रामीणों से बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने और उन्हें नियमित रूप से स्कूल भेजने की अपील भी की।इस दौरान पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, एसडीएम बजाग अक्षय डिगरसे, डिटी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।



